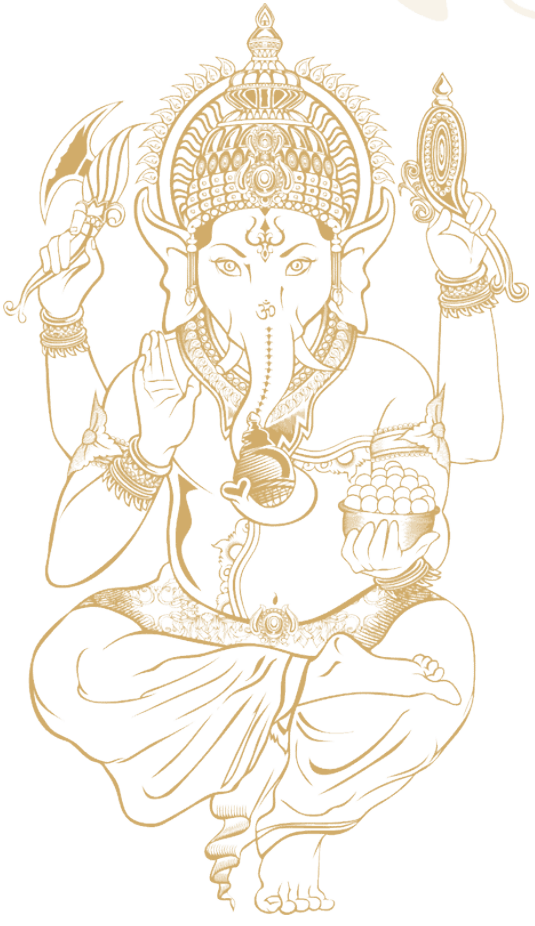

Rohit

15 Oct 2000

07:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121632703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/10/2000**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	02:49:31 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	08:44:32 घंटे
सूर्योदय	06:22:11 घंटे
सूर्यास्त	17:51:16 घंटे
दिनमान	11:29:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:09:24 कन्या
लग्न के अंश	12:02:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वज्र
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:02:39	310:14:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कन्या	28:09:24	00:59:27	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मेष	19:45:58	13:47:07	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	23:44:17	00:37:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			तुला	21:13:11	00:23:34	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	16:58:01	00:03:06	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	01:03:34	01:12:56	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
शनि	व		वृष	06:11:21	00:03:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	25:50:11	00:10:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	25:50:11	00:10:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	23:05:15	00:00:34	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	09:55:37	00:00:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:06:02	00:01:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कर्क	14:50:15	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:47

लग्न-चलित

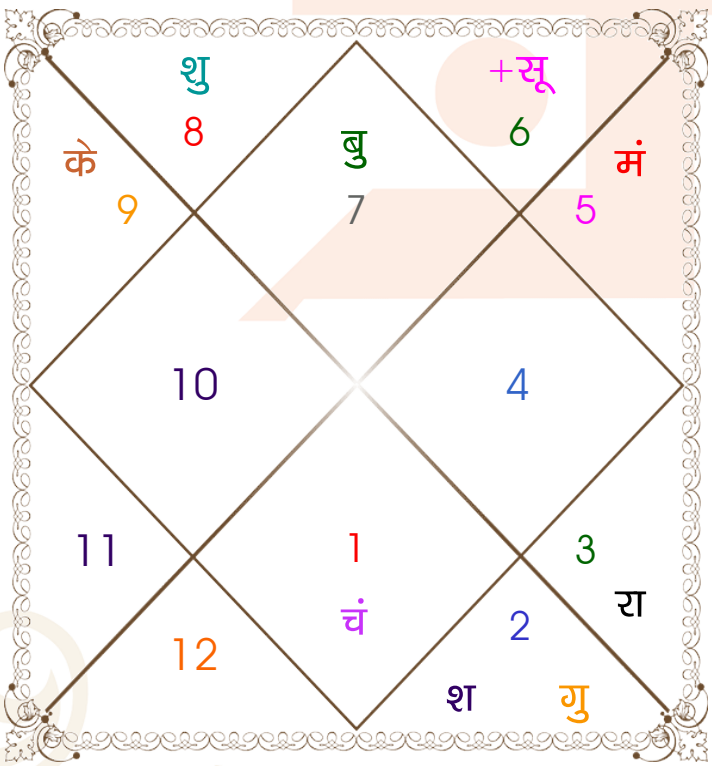

चन्द्र कुंडली

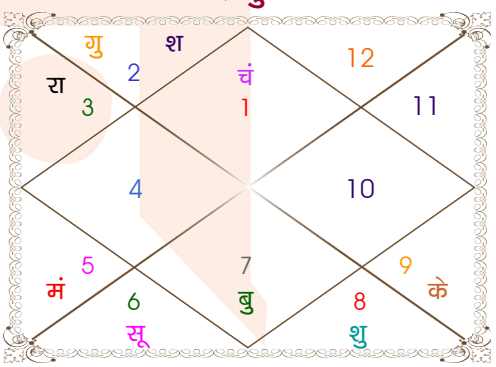

नवमांश कुंडली

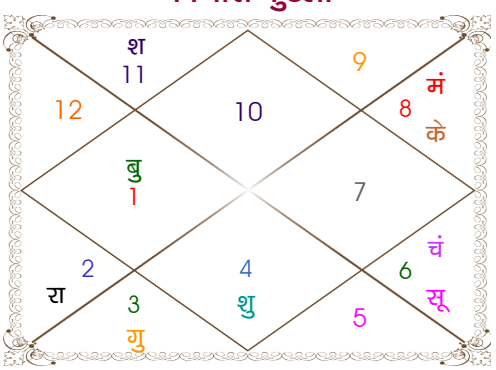

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 4 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/10/2000		20/02/2011		20/02/2017		20/02/2027		20/02/2034	
20/02/2011		20/02/2017		20/02/2027		20/02/2034		21/02/2052	
	00/00/0000	सूर्य	10/06/2011	चंद्र	21/12/2017	मंगल	20/07/2027	राहु	02/11/2036
	00/00/0000	चंद्र	10/12/2011	मंगल	22/07/2018	राहु	06/08/2028	गुरु	29/03/2039
	00/00/0000	मंगल	15/04/2012	राहु	21/01/2020	गुरु	13/07/2029	शनि	02/02/2042
	15/10/2000	राहु	10/03/2013	गुरु	22/05/2021	शनि	22/08/2030	बुध	21/08/2044
राहु	22/04/2001	गुरु	27/12/2013	शनि	22/12/2022	बुध	19/08/2031	केतु	09/09/2045
गुरु	22/12/2003	शनि	09/12/2014	बुध	22/05/2024	केतु	15/01/2032	शुक्र	09/09/2048
शनि	20/02/2007	बुध	16/10/2015	केतु	21/12/2024	शुक्र	16/03/2033	सूर्य	03/08/2049
बुध	21/12/2009	केतु	21/02/2016	शुक्र	22/08/2026	सूर्य	22/07/2033	चंद्र	02/02/2051
केतु	20/02/2011	शुक्र	20/02/2017	सूर्य	20/02/2027	चंद्र	20/02/2034	मंगल	21/02/2052

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/02/2052		21/02/2068		20/02/2087		22/02/2104		21/02/2111	
21/02/2068		20/02/2087		22/02/2104		21/02/2111		00/00/0000	
गुरु	10/04/2054	शनि	23/02/2071	बुध	19/07/2089	केतु	20/07/2104	शुक्र	23/06/2114
शनि	21/10/2056	बुध	03/11/2073	केतु	16/07/2090	शुक्र	19/09/2105	सूर्य	23/06/2115
बुध	27/01/2059	केतु	12/12/2074	शुक्र	16/05/2093	सूर्य	25/01/2106	चंद्र	21/02/2117
केतु	03/01/2060	शुक्र	11/02/2078	सूर्य	23/03/2094	चंद्र	26/08/2106	मंगल	23/04/2118
शुक्र	03/09/2062	सूर्य	24/01/2079	चंद्र	22/08/2095	मंगल	22/01/2107	राहु	16/10/2120
सूर्य	22/06/2063	चंद्र	24/08/2080	मंगल	18/08/2096	राहु	10/02/2108		00/00/0000
चंद्र	21/10/2064	मंगल	03/10/2081	राहु	08/03/2099	गुरु	15/01/2109		00/00/0000
मंगल	27/09/2065	राहु	09/08/2084	गुरु	14/06/2101	शनि	24/02/2110		00/00/0000
राहु	21/02/2068	गुरु	20/02/2087	शनि	22/02/2104	बुध	21/02/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 3 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।